8

‘वीणा’— कक्षा 4 के लिए हिंदी पाठ्यपुस्तक की समालोचनात्मक समीक्षा

जावेद खान*
डोरी लाल**
नसरीन***

29 जुलाई 2025 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के क्रियान्वयन को पाँच वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। इसी नीति के शैक्षिक उद्देश्यों की पूर्ति हेतु एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 का निर्माण किया गया। इन अनुशंसाओं के आधार पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (रा.शै.अ.प्र.प.) ने अप्रैल 2024 में कक्षा 4 के लिए हिंदी पाठ्यपुस्तक ‘वीणा’ का सृजन किया, जिसे सत्र 2025–26 से विद्यालयी पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जा चुका है। 1961 से ही रा.शै.अ.प्र.प. भारतीय विद्यालयी शिक्षा में समयानुकूल परिवर्तनों का सूत्रधार रही है और बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप पाठ्यक्रमों का निर्माण करती रही है। हिंदी पाठ्यपुस्तक ‘वीणा’ इन्हीं सतत परिवर्तनों और शैक्षिक नवाचारों का परिणाम है। यह शोध-पत्र ‘वीणा’ का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करता है, जिसमें एन.ई.पी. 2020 और एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 के मानदंडों के आधार पर इसकी पाठ्यचर्या, विषयवस्तु, शिक्षण विधियाँ, साहित्यिक गुणवत्ता तथा सामाजिक-सांस्कृतिक प्रभावों का गहन अध्ययन किया गया है।

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद द्वारा कक्षा 4 के लिए प्रकाशित हिंदी पुस्तक ‘वीणा’ प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा शिक्षण का महत्वपूर्ण संसाधन है। यह पुस्तक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023 के दिशानिर्देशों के अनुसार तैयार की गई है, जो समग्र और मूल्य-आधारित शिक्षा पर केंद्रित है। पुस्तक के प्रमुख उद्देश्य भाषा कौशलों के विकास के साथ-साथ नैतिक मूल्यों, सांस्कृतिक जागरूकता और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। इसमें कहानियाँ, कविताएँ, पत्र-लेखन, नाटक पहेलियाँ और चित्र निरूपण आदि भी शामिल हैं। ‘वीणा’ का मुख्य लक्ष्य विद्यार्थियों में विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने, पढ़ने और लिखने की

**सहायक आचार्य*, शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली 110 025
***सह-आचार्य*, शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनौपचारिक शिक्षा विभाग, शिक्षा संकाय, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली 110 025
****आचार्या*, शिक्षा विभाग, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़ 202 002

क्षमता, व्यापक शब्द-भंडार, और पुस्तक पढ़ने में रुचि विकसित करना है। कुल मिलाकर, यह पुस्तक विद्यार्थियों के समग्र विकास के लिए हिंदी शिक्षा को प्रभावी और रुचिकर बनाती है।

रा.शै.अ.प्र.प. की कक्षा 4 की हिंदी पुस्तक का नाम 'वीणा' केवल एक शीर्षक नहीं है, बल्कि यह भारतीय सांस्कृतिक, साहित्यिक और प्रतीकात्मक महत्व का एक गहरा प्रतीक है। 'वीणा' एक प्राचीन भारतीय वाद्य यंत्र है, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति का अभिन्न हिस्सा माना जाता है। यह ज्ञान, कला और सृजनात्मकता की देवी माँ सरस्वती का प्रतीक है, जिन्हें वीणावादिनी के रूप में भी पूजा जाता है। माँ सरस्वती शिक्षा, ज्ञान, प्रज्ञान और बुद्धि की देवी हैं। शास्त्रीय श्लोकों में वीणा को ज्ञान और संगीत की प्रेरणा माना गया है। उदाहरण के लिए, 'वीणावादिनि विद्या या त्वं बुद्धिप्रदायिनी। सङ्गीतं साहित्यं च सर्वं त्वं प्रेरति प्रभो॥' श्लोक यह दर्शाता है कि वीणा विद्या, बुद्धि, संगीत और साहित्य की उत्पत्ति का स्रोत है। इस प्रकार, पुस्तक का नामकरण 'वीणा' पुस्तक के उद्देश्य को सार्थक सिद्ध करता है।

पुस्तक का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ संरेखण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में शिक्षा के समग्र और मूल्य-आधारित दृष्टिकोण पर विशेष जोर दिया गया है, जिसमें भारतीय संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय ज्ञान को संरक्षित करने (4.4 एन.ई.पी., 2020, पृ.सं.14) एवं प्रोत्साहित करने की बात कही गई है। इसी संदर्भ में यह हिंदी पाठ्यपुस्तक शिक्षा नीति के उद्देश्यों की प्रासंगिकता के अनुरूप है। पुस्तक विद्यार्थियों को उनकी संस्कृति से जोड़ने का प्रयास करती है, जिससे वे अपनी भाषा और संस्कृति पर गर्व महसूस करें। यह पुस्तक शिक्षा को केवल शैक्षणिक ज्ञान के रूप में नहीं, बल्कि एक समग्रता के रूप में प्रस्तुत करती है, जो विद्यार्थियों में रचनात्मकता, संवेदनशीलता और सृजनात्मक सोच को प्रोत्साहित कर सके। प्रस्तुत पुस्तक विद्यार्थियों में न केवल भाषायी कौशलों को विकसित करने का प्रयास करती है, अपितु नैतिक और सांस्कृतिक मूल्यों को भी विकसित करती है, जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति के समग्र शिक्षण आयाम के अनुरूप है। पुस्तक में शामिल कहानियाँ, कविताएँ और गतिविधियाँ, जैसे 'चिड़िया का गीत' और 'बगीचे का घोंघा', न केवल भाषा कौशलों को विकसित करते हैं, बल्कि पर्यावरणीय जागरूकता, नैतिकता और सृजनात्मकता की क्षमता का विकास करते हैं।

पुस्तक का भौतिक आवरण

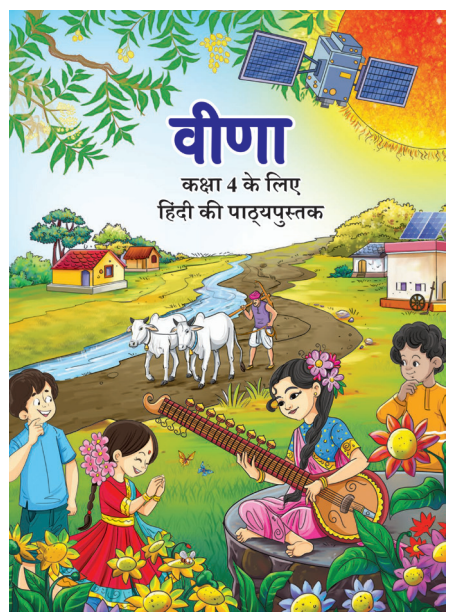

'वीणा' शीर्षक विद्यार्थियों के लिए अत्यंत जिज्ञासापूर्ण और प्रेरणादायक है, क्योंकि यह ज्ञान की ओर अग्रसर होने की सकारात्मक दिशा और मधुर छवि को सजीव रूप में प्रस्तुत करता है। पाठ्यपुस्तक का आवरण पृष्ठ भारतीय संस्कृति, ज्ञान और आधुनिकता का संतुलित चित्र प्रस्तुत करता है। शीर्षक बड़े और मोटे अक्षरों में लिखा गया है, जिससे पुस्तक की पहचान तुरंत हो जाती है। आवरण पृष्ठ के केंद्र में वीणा बजाती एक छोटी लड़की है जो ज्ञान, सृजनात्मकता और देवी सरस्वती के प्रतीक से जुड़ती है। उसके आस-पास चित्रित बच्चे अलग-अलग गतिविधियों में संलग्न हैं, जो विद्यार्थियों की सक्रियता और बाल-सुलभ जिज्ञासा को दर्शाते हैं। पृष्ठभूमि में ग्रामीण परिदृश्य— हरे खेत, नदी, रंगीन छतों वाले घर और बैलगाड़ी आदि भारतीयता से जोड़ने का सक्रिय प्रयास हैं। साथ ही, पेड़-पौधे, फूल, तितलियाँ और मधुमक्खियाँ प्रकृति और पर्यावरण चेतना के प्रतीक हैं। इसके विपरीत, ऊपरी कोने में बना उपग्रह का प्रतिबिंब आधुनिक तकनीक और प्रगति का द्योतक है। हरा, नीला, पीला और लाल जैसे जीवंत रंग आवरण पृष्ठ को आकर्षक बनाते हैं। आवरण पृष्ठ के पीछे वर्णित 'ई-पाठशाला' डिजिटल संसाधनों को अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों के लिए सुलभ बनाता है। इसमें क्यू.आर. कोड व ऑनलाइन लिंक के माध्यम से सामग्री प्राप्त करने की जानकारी दी गई है। यह विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के अभिभावकों के लिए उपयोगी है, उन्हें तकनीक से जोड़कर 'डिजिटल सहायक' की भूमिका निभाने में मदद करता है। पृष्ठ पर दी गई गतिविधियाँ अभिभावकों और विद्यार्थियों के बीच सहयोग को बढ़ावा देती हैं, जिससे घर का माहौल भी शिक्षाप्रद और सकारात्मक होने में सहायक होगा। समग्र रूप से यह आवरण भारतीय विरासत और एन.ई.पी. 2020 में निहित सांस्कृतिक जड़ों को सशक्त रूप से दर्शाता है

विषयवस्तु का अनुक्रमण

पाठ्यपुस्तक में पारंपरिक विषय-सूची या अनुक्रमणिका के स्थान पर 'कहाँ क्या है' शीर्षक दिया गया है। इसमें पाठों के नाम चित्रों के साथ प्रदर्शित किए गए हैं, जो लिखित सामग्री को स्पष्ट करने में सहायक सामग्री का कार्य करते हैं। पुस्तक में रंगों और आकर्षक चित्रों का प्रयोग इसे सरल, रोचक और दर्शनीय बनाता है। बड़े आकार के अक्षरों और जीवंत रंगों का उपयोग इसे आंशिक दृष्टिबाधित विद्यार्थियों के लिए विशेष रूप से उपयोगी बनाता है। साथ ही, चित्रों के माध्यम से वाक्यों और पहेलियों को अधिक स्पष्ट और समझने योग्य रूप में प्रस्तुत किया गया है। विषयवस्तु की क्रमबद्धता को विद्यार्थियों के मानसिक स्तर के अनुकूल रखने का प्रयास किया गया है। जिसमे हिंदी साहित्य की विभिन्न विधाओं का सम्मिश्रण किया गया है।

पुस्तक की विषयवस्तु

'वीणा' पुस्तक की विषयवस्तु विद्यार्थियों के ज्ञानात्मक, कौशलात्मक, अभिव्यक्तिपरक, कौशलों के विकास के साथ-साथ भाषायी कौशलों, तार्किकता, रचनात्मकता तथा कल्पनाशीलता पर आधारित है। पुस्तक में कुल 13 पाठ तथा हर पाठ के साथ सहायक (सूक्ष्म) पाठ भी शामिल हैं, जो कहानियों, कविताओं, पत्रों और संवादों जैसे विविध साहित्यिक रूपों को समाहित करते हैं।

प्रत्येक पाठ को कक्षा 4 के विद्यार्थियों (9–10 वर्ष की आयु) की बौद्धिक और भावनात्मक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। पाठ्यचर्या का आधार एन.ई.पी. 2020 के सिद्धांत हैं, जो भाषा शिक्षण में रचनात्मकता, नैतिकता, और सांस्कृतिक जड़ों को जोड़ने पर जोर देते हैं (4.18 एन.ई.पी. 2020, पृ.सं. 16)। पुस्तक का प्रारूप एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 के दिशानिर्देशों का पालन करता है, जो समावेशी और समग्र शिक्षा को प्राथमिकता देता है (एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023, पृ.सं. 45)। प्रत्येक पाठ के अंत में अभ्यास प्रश्न, रचनात्मक गतिविधियाँ और समूह चर्चाएँ शामिल हैं, जो शिक्षण प्रक्रिया को संवादात्मक और रुचिकर बनाती हैं। पुस्तक की सामग्री विद्यार्थियों की आयु और समझ के स्तर के अनुरूप है। पाठों की भाषा सरल, सहज और बोधगम्य है, जिससे विद्यार्थी विषयों को आसानी से समझ पाते हैं। उदाहरण के लिए, 'चिड़िया का गीत' कविता में छोटे छंद और सरल शब्दों का प्रयोग किया गया है, जो कविता को न केवल समझने में, बल्कि याद रखने में भी सहायक बनाते हैं। साथ ही, पुस्तक में नैतिक मूल्यों, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक समरसता जैसे विषयों को शामिल किया गया है, जो विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। 'बगीचे का घोंघा' कहानी में घोंघे के जीवन को मानवीय भावनाओं से जोड़कर प्रस्तुत किया गया है, जिससे विद्यार्थियों में सहानुभूति और संवेदनशीलता जैसे भाव विकसित होते हैं।

विषयवस्तु के आधार पर पुस्तक को पाँच आयामों में बाँटा जा सकता है—

आयाम	पाठ	पृष्ठ संख्या
भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति व पर्यावरण	ऐसा वर दो, चिड़िया का गीत, नीम (कविता), बागीचे का घोंघा, कविता का कमाल, शतरंज की मात, उदाहरण के लिए वामन अवतार की कथा आदि	1, 2, 27, 17, 127, 139, 104
स्वास्थ्य एवं आहार	हमारा आहार, गोलगप्पा, मिठाइयों का सम्मेलन, जलेबी	40, 76, 105, 115
भौगोलिक व सांस्कृतिक विविधता	ओणम के रंग, जयपुर से पत्र, चेरापूंजी के मेहमान	90, 62, 60
वैज्ञानिक व तकनीकी प्रगति	हमारा आदित्य, एल-1, मति की उड़ान	154, 16
मनोरंजन व जिज्ञासा	आसमान गिरा, सुन इमली के दाने सुन, हवा और धूल, कैमरा	51, 125, 89, 116

गतिविधियाँ और स्वयं मूल्यांकन

'वीणा' में प्रत्येक पाठ के साथ अभ्यास प्रश्न, रचनात्मक गतिविधियाँ और समूह चर्चाएँ शामिल हैं, जो पढ़ने, लिखने, और बोलने के कौशलों को विकसित करती हैं। ये गतिविधियाँ विद्यार्थियों की रचनात्मकता और सहभागिता को बढ़ावा देती हैं। कुछ प्रमुख गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं—

- चित्र-आधारित गतिविधियाँ— 'सीखो' में चित्रों के आधार पर कहानी पूर्ण करने की गतिविधि विद्यार्थियों की कल्पनाशीलता को प्रोत्साहित करती है (पृ.सं. 123)।

- समूह चर्चाएँ— 'बगीचे का घोंघा' में विद्यार्थियों से अपने अनुभव साझा करने को कहा जाता है, जो सामाजिक कौशल को बढ़ावा देता है।
- कविता और अभिनय— कविताओं को गाने या अभिनय के माध्यम से सीखने की गतिविधियाँ, जैसे 'चिड़िया का गीत' से भाषा को सीखने के प्रति रुचि जागृत होती हैं।
- रचनात्मकता और सहभागिता— गतिविधियाँ विद्यार्थियों को सक्रिय रूप से पाठ में संलग्न करती हैं। उदाहरण के लिए, 'कविता का कमाल' में विद्यार्थियों से अपनी कविता लिखने को कहा जा सकता है, जो रचनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करेगा।
- पुस्तक में 'करें' या 'चुनौती' नामक गतिविधियों का यथोचित समावेश है, जिनमें विद्यार्थियों से अपने कार्य की समीक्षा करने को कहा गया है। ये गतिविधियाँ मौखिक, लिखित या रचनात्मक अभिव्यक्ति पर आधारित हैं, और विद्यार्थियों को यह जाँचने के लिए निर्देशित करती हैं कि क्या उन्होंने सभी चरण को सही प्रकार से पूरा किया है।
- मूल्य-आधारित शिक्षण गतिविधियाँ नैतिक मूल्यों, जैसे— सहानुभूति, सहयोग और पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ करती हैं, जो एन.ई.पी. 2020 के लक्ष्यों के अनुरूप है।
- कुछ अध्यायों में 'मैंने क्या सीखा?' या 'मैं बेहतर कैसे कर सकता हूँ?' जैसे प्रश्न हैं, जो विद्यार्थियों को सीखे ज्ञान का स्व-मूल्यांकन करने और भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं।
- कुछ गतिविधियाँ विद्यार्थियों में अपने सहपाठियों के साथ काम करने और एक-दूसरे की रचनात्मकता को जाँचने का मौका देती हैं, जो स्वयं और सहपाठी मूल्यांकन पर बल देता है। साथ ही विद्यार्थी अपनी और अपने साथी की प्रगति की तुलना भी कर सकते हैं। अध्याय 5 'आसमान गिरा' में गतिविधि है— चित्रों के अनुसार शिक्षक की सहायता से कागज की पुतलियाँ बनाकर इस कहानी का अभिनय कक्षा में कीजिए, यह बहुत ही रोचक और प्रासंगिक है।

भाषा और साहित्यिक गुणवत्ता

- **भाषायी विशेषताएँ**— 'वीणा' की भाषा सरल, सुबोध और प्रवाहमयी है, जो कक्षा 4 के विद्यार्थियों के लिए उपयुक्त है। पाठों में प्रयुक्त शब्दावली और वाक्य संरचना विद्यार्थियों की समझ के स्तर के अनुरूप हैं। 'हमारा आहार' कविता सरल तथा मनोरंजक भाषा में प्रस्तुत की गई है। भाषा में लय और प्रवाह है, जो विद्यार्थियों में पढ़ने की रुचि का विकास करने में सहायक है।

- **बहुभाषावाद को बढ़ावा**— 'वीणा' के पाठ और गतिविधियाँ विद्यार्थियों को उनकी मातृभाषा और हिंदी के बीच सेतु का कार्य करते हैं, जिससे वे बहुभाषी परिवेश को स्वीकार करें। उदाहरण के लिए, पृष्ठ संख्या 101 में मलयालम लोक गीत का हिंदी रूपांतरण दिया गया है, साथ ही साथ मलयालम भाषा में लोकगीत लिखा गया है जो बहुभाषावाद को बढ़ावा देता है।

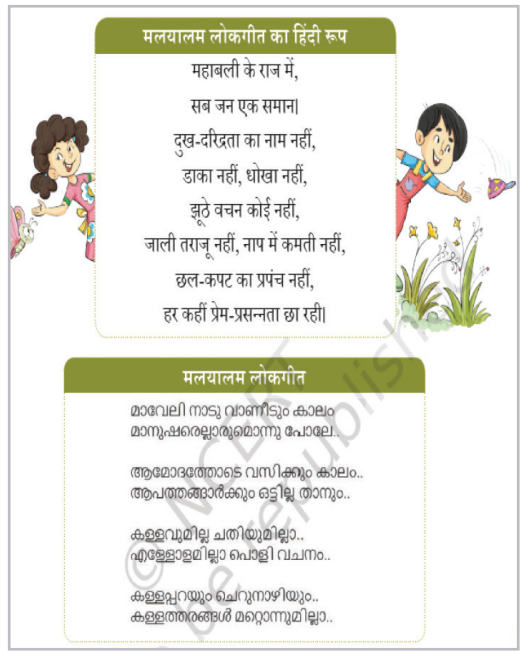

- शिक्षक पुस्तक का उपयोग करके कक्षा में बहुभाषी गतिविधियाँ आयोजित करा सकते हैं, जैसे—
  - विभिन्न भाषाओं में शब्दकोश बनाना।
  - स्थानीय लोककथाओं का हिंदी में अनुवाद।
  - कक्षा में बहुभाषी कविता पाठ या कहानी सत्र।

- **साहित्यिक गुणवत्ता**— पुस्तक में शामिल कहानियाँ और कविताएँ प्रसिद्ध लेखकों और कवियों द्वारा लिखी गई हैं, जो साहित्यिक मूल्यों में वृद्धि करने में सहायक हैं। पाठों में नैतिकता, हास्य और भावनात्मक गहराई का समावेश है। कविता 'कैमरा' में लय और ताल विद्यार्थियों में भाषा की लयबद्धता को समझने में मदद करती हैं (पृ.सं. 20)।

© NCERT not to be republished

- **भाषा का सरल और आकर्षक स्वरूप**— विद्यार्थियों के लिए समझने योग्य भाषा और रोचक कथानक पाठों को मनोरंजक बनाते हैं। उदाहरण के लिए, 'कविता का कमाल' पाठ में सरल वाक्य और प्रेरणादायक संदेश विद्यार्थियों को कविता लिखने के लिए आत्मविश्वास प्रदान करते हैं।
- **नैतिक और सांस्कृतिक मूल्य**— पाठों में नैतिकता और भारतीय संस्कृति को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया है। यह विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है।
- **शब्दावली विकास**— प्रत्येक पाठ के अंत में नए शब्द और उनके अर्थ दिए गए हैं, जो विद्यार्थियों की शब्दावली को समृद्ध करते हैं। उदाहरण के लिए, 'नकली हीरे' में शब्द जैसे 'निस्संदेह' और 'श्रेष्ठ' को समझाया गया है (पृ.सं. 82)।

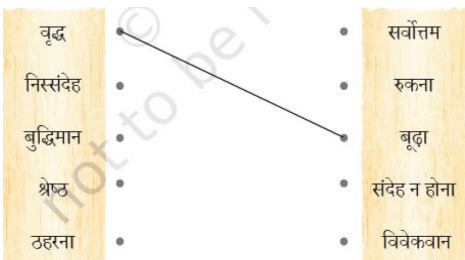

सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व

पुस्तक भारतीय संस्कृति और परंपराओं को प्रस्तुत करती है, जैसे— त्योहारों, परिवार और सामुदायिक जीवन पर आधारित पाठ। उदाहरण के लिए, कुछ पाठों में भारतीय परिवारों की एकता और सामुदायिक सहयोग को दर्शाया गया है, जो विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ता है (पृ.सं. 50)।

- **सामाजिक समरसता**— पाठों में सामाजिक समरसता और सहयोग को प्रोत्साहित किया गया है, जिससे विद्यार्थियों में सामाजिक कौशल का विकास होगा।

- **पर्यावरणीय जागरूकता**— कई पाठ पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देते हैं, जो वर्तमान समय में अत्यंत प्रासंगिक है। उदाहरण के लिए, 'आसमान गिरा' विद्यार्थियों को प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी का भाव सिखाता है।
- **सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ाव**— पुस्तक भारतीय संस्कृति और परंपराओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाती है, जिससे विद्यार्थियों की सांस्कृतिक पहचान सबल होगी।

शिक्षक सहायता

'वीणा' के साथ उपलब्ध रा.शै.अ.प्र.प. समाधान शिक्षकों के लिए उपयोगी हैं। ये समाधान प्रत्येक पाठ के प्रश्नों के उत्तर और व्याख्याएँ प्रदान करते हैं, जो शिक्षण प्रक्रिया को सुगम बनाते हैं। उदाहरण के लिए, 'बगीचे का घोंघा' के समाधान में प्रश्नों के उत्तर के साथ-साथ नैतिक मूल्यों की व्याख्या भी दी गई है। इस पुस्तक में प्रत्येक अध्याय की शुरुआत में स्पष्ट उद्देश्य दिए गए हैं, जो शिक्षकों को साप्ताहिक या दैनिक योजना बनाने में सहायता करते हैं। इससे समय की बचत होती है और कक्षा शिक्षण अधिक

संरचित बनता है। पाठों में बहु-विषयी दृष्टिकोण (जैसे— भाषा, विज्ञान, नैतिक शिक्षा) अपनाया गया है, जिससे एकीकृत शिक्षण को बढ़ावा मिलता है। प्रत्येक अध्याय के अंत में 'करें' या 'चर्चा करें' जैसी गतिविधियाँ दी गई हैं, जो समूह कार्य, अभिनय और रचनात्मक लेखन पर आधारित हैं। ये गतिविधियाँ शिक्षकों को पारंपरिक निष्क्रिय शिक्षण से हटाकर सक्रिय शिक्षण की दिशा में ले जाती हैं। इसके अतिरिक्त, बहुविकल्पीय प्रश्न, लघु उत्तर और रचनात्मक लेखन जैसे अभ्यास शिक्षकों को रचनात्मक मूल्यांकन में मदद करते हैं। उदाहरणस्वरूप, पाठ 4 'हमारा आहार' में विद्यार्थियों से 'स्वस्थ भोजन के तीन उदाहरण' लिखने को कहा गया है (पृ.सं. 49)। इसका मूल्यांकन शिक्षक रूब्रिक के अनुसार कर सकते हैं— जैसे सामग्री के 5 अंक और भाषा के 3 अंक। इससे शिक्षकों को विद्यार्थियों की समझ का त्वरित फीडबैक मिलता है और जरूरतमंद विद्यार्थियों को अतिरिक्त अभ्यास भी सुझाया जा सकता है।

कुल मिलाकर, यह पुस्तक शिक्षकों के लिए एक बहुउपयोगी उपकरण है, जो केवल पाठ्यसामग्री ही नहीं, बल्कि कक्षा को अधिक जीवंत, सहभागी और विद्यार्थी-केंद्रित बनाने के व्यावहारिक सुझाव भी प्रदान करती है। इससे शिक्षण अधिक प्रभावी बनता है और शिक्षकों का कार्यभार भी कम होता है।

अभिभावक सहायता

अभिभावकों के लिए भी समाधान और गतिविधियाँ विद्यार्थियों के गृहकार्य में सहायता करती हैं। पुस्तक में शामिल गतिविधियाँ, जैसे— 'चित्र-आधारित लेखन' या 'समूह चर्चाएँ', अभिभावकों और विद्यार्थियों के बीच संवाद को बढ़ावा देती हैं। पुस्तक में 'करें' या 'बनाएँ' जैसी सामूहिक तथा घरेलू गतिविधियाँ हैं, जो अभिभावकों को भी बच्चे के रचनात्मक विकास में सहयोग को प्रोत्साहन का अवसर देती दिखती है। ये गतिविधियाँ दैनिक सामग्री (जैसे— कागज, रंग) पर आधारित हैं, जिससे अभिभावक बिना अतिरिक्त खर्च के बच्चे की रुचि सीखने में बनाए रख सकते हैं। साथ ही अभिभावक बच्चे की प्रगति का मूल्यांकन भी कर सकते हैं जिससे घर और विद्यालय के मध्य सामंजस्य स्थापित होगा।

पुस्तक में रंगीन चित्रों, कॉमिक्स और कार्टून का सम्मिश्रण हैं, जो अभिभावकों के लिए भी समझने में आसान प्रतीत होता है। अभिभावक इनका उपयोग कर बच्चों को कथा, कहानी सुना सकते हैं या परिचर्चा शुरू कर सकते हैं, विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए जो पढ़ाई से ऊब जाते हैं। पुस्तक को डिजिटल संसाधनों (जैसे— यूट्यूब वीडियो) से जोड़ना अभिभावकों के लिए उपयोगी हैं। पाठ 5 'आसमान गिरा' (कहानी) में डर और साहस की कथा है। अभिभावक विद्यार्थियों से प्रश्न जैसे 'कहानी से क्या सीख मिली?' पूछकर चर्चा कर सकते हैं और बच्चों के उत्तरों के आधार पर प्रगति जाँच सकते हैं। यदि अभिभावक यूट्यूब या रा.शै.अ.प्र.प. वेबसाइट का उपयोग कर सकने में सक्षम हैं तो विद्यार्थियों का बेहतरीन मार्गदर्शन कर सकते हैं। इस हेतु यह पुस्तक आवश्यकता अनुरूप दिशानिर्देश भी देती दिखती है।

पुस्तक का शैक्षिक प्रभाव

- **भाषायी कौशलों का विकास**— 'वीणा' विद्यार्थियों में हिंदी भाषा के चार प्रमुख कौशलों— सुनना, बोलना, लिखना और पढ़ना को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। पाठों में शामिल अभ्यास और गतिविधियाँ इन कौशलों को संतुलित रूप से बढ़ावा देती हैं। उदाहरण के लिए, 'सीखो' में विद्यार्थियों से पत्र-लेखन की गतिविधि कराई जाती है, जो लिखित अभिव्यक्ति को विकसित करती है (पृ.सं. 49)।
- **नैतिक और सामाजिक विकास**— पुस्तक में नैतिक मूल्यों, जैसे— सहानुभूति, दयालुता और सामाजिक समरसता पर जोर दिया गया है। यह विद्यार्थियों में नैतिक समझ और सामाजिक जिम्मेदारी को विकसित करता है। उदाहरण के लिए, 'बगीचे का घोंघा' विद्यार्थियों को जीव-जंतुओं के प्रति दयालुता का महत्व सिखाता है।
- **सांस्कृतिक जागरूकता**— पुस्तक भारतीय संस्कृति और परंपराओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाती है। यह विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में मदद करती है, जो एन.ई.पी. 2020 के सांस्कृतिक शिक्षा के लक्ष्यों के अनुरूप है (4.18 एन.ई.पी. 2020, पृ.सं. 22)।

निष्कर्ष

रा.शै.अ.प्र.प. की कक्षा 4 की हिंदी पुस्तक 'वीणा' प्राथमिक स्तर पर हिंदी भाषा शिक्षण के लिए एक प्रभावी और समग्र संसाधन है। यह सरल भाषा, रुचिकर सामग्री और मूल्य-आधारित शिक्षण के माध्यम से विद्यार्थियों में भाषायी कौशल, नैतिक समझ और सांस्कृतिक जागरूकता को विकसित करती है। पाठों में शामिल कहानियाँ, कविताएँ और गतिविधियाँ विद्यार्थियों को रचनात्मकता और सहभागिता के लिए प्रेरित करती हैं। 'वीणा' न केवल भाषा शिक्षण का साधन है, बल्कि विद्यार्थियों में नैतिक और सामाजिक मूल्यों को स्थापित करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी है। वीणा के लेखन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा एन.सी.एफ.-एस.ई. 2023 की अनुशंसाओं का पूर्ण रूप से पालन किया गया है।

संदर्भ

रा.शै.अ.प्र.प. 2003. *विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2023*. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली. https://ncert.nic.in/pdf/NCF_2023.pdf

———. 2025. *'वीणा'— कक्षा 4 के लिए हिंदी की पाठ्यपुस्तक*. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, नई दिल्ली.

शिक्षा मंत्रालय. 2020. *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020*. शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली. https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/NEP_Final_English_0.p